MEDIA COVERAGE- RRC 2021

4 CITYLINE TheHitavada JABALPUR ■ Tuesday ■ December 14 ■ 2021

RRC to promote techniques, contribution in non-timber forest produces begins

■ Staff Reporter

TO PROMOTE and share the recent advances, techniques and contributions in the field of Non-Timber Forest Produces, Tropical Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur has organised a two-day Regional Research Conference (RRC) on 'Vocal for Local: Sustainable Development of Non-Timber Forest Products for Livelihood Generation' through virtual/online mode December 13 and 14.

Dignitaries including IFS & other senior officials from Madhya Pradesh, Maharashtra and Chhattisgarh State Forest Departments, National Medicinal Plant Board (NMPB) & Tribal Co-operative Marketing Development Federation of India (TRIFED), New Delhi etc are attending the conference.

Scientist and academicians from Jawahar Lal Nehru Krishi Vishwavidyalaya (JNKVV), Jabalpur, Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya (IGKVV), Raipur, Dr Balasaheb Sawant Konkan Krishi Vidyapeeth (BSSKVV), Dapoli, Indian Council of Forestry Research and Education Council (ICFRE) Dehradun and its allied institutes will also partake to share work and progress by their respective institutes in the field of NTFPs.

Senior officials during the regional research conference at TFRI.

Chief Guest Arun Singh Rawat, IFS, DG, ICFRE, accenting the importance of RRC in benefitting the stakeholders, appreciated TFRI's efforts for selecting pertinent subject of NTFPs for need for local produce. Emphasising on the tremendous pressure on forests, he suggested development of additional sustainable and value addition practices for NTFPs. He also advised to develop nursery techniques for domestication of valuable NTFPs in order to minimise dependency on forests.

Dr G Rajeshwar Rao, ARS, Director TFRI, welcomed the guest, eminent dignitaries and participants and extended his gratitude for their participation. Highlighting on the importance of NTFPs in the forestry sector and need for the development of a well organised system, he informed about TFRI's initiative for development of NTFP centres. These centres will upskill forest dependent communities by offering complete mechanism from cultivation, sustainable & post harvesting techniques for forest produces to providing their market linkages.

दैनिक भास्कर महानगर जबलपुर, मंगलवार, 14 दिसम्बर 2021 2

आबादी बढ़ने से बढ़ा वनों पर दबाव

निज संवाददाता, जबलपुर| उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में आजीविका सृजन के लिए अकाष्ठ वन उत्पादों के सतत विकास को लेकर दो दिवसीय अनुसंधान सम्मेलन का वर्चुअल ऑनलाइन मोड पर किया गया। मुख्य अतिथि आईएफएस महानिदेशक आईसीएफआरई अरुण सिंह रावत ने बढ़ती आबादी के साथ वनों पर बढ़ते दबाव को कम करने की दिशा में प्रयास किए जाने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। इस अवसर पर टीएफआरआई के निदेशक डॉ. जी राजेश्वर राव ने वानिकी के क्षेत्र एनटीएफपी के महत्व और सुव्यवस्थित प्रणाली के विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। सम्मेलन के प्रथम दिवस 13 दिसम्बर को मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छग राज्य वन विभागों के आईएफएस एवं अन्य संस्थानों ने अपने सुझाव साझा किए। पी-2

6 नईदुनिया जबलपुर, बुधवार 15 दिसंबर, 2021 जबलपुर सिटी/आसपास

वानिकी के उत्थान के लिए हुआ विमर्श, सम्मेलन का समापन

जबलपुर। उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में वोकल फार लोकल अभियान अंतर्गत आजीविका सृजन के लिए अकाष्ठ वन उत्पादों का सतत विकास विषय पर क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दौरान वानिकी के उत्थान के लिए विमर्श हुआ। सम्मेलन में मप्र, महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ राज्य वन विभागों के आइएफएस और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों सहित अन्य की कुल 21 प्रस्तुतियां शामिल थीं। अन्य सरकारी और गैर - सरकारी संगठन जैसे राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड और भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ, नई दिल्ली एवं डाबर आदि ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। जेएनकेविवि, इंदिरा गांधी कृषि विवि, रायपुर, डा. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विद्यापीठ, दापोली व भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद देहरादून और इसके सबद्ध संस्थान के वैज्ञानिक और शिक्षाविद भी अकाष्ठ वन उत्पादों के क्षेत्र में अपने - अपने संस्थानों द्वारा किए कार्य और प्रगति को साझा करने इस दो दिवसीय सम्मेलन में शामिल हुए। नीलू सिंह, समूह समन्वयक अनुसंधान, टीएफआरआइ ने सम्मेलन के मुख्य परिणाम प्रस्तुत किए डा. जी. राजेश्वर राव, एआरएस, निदेशक टीएफआरआइ ने प्रयासों और सफल आयोजन की सराहना की। -नप

दैनिक भास्कर महानगर जबलपुर, बुधवार, 15 दिसम्बर 2021 2

अकाष्ठ वन उत्पादों का सतत विकास जरूरी

निज संवाददाता, जबलपुर| उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान टीएफआरआई में आयोजित दो दिनी अनुसंधान सम्मेलन का आज समापन किया गया। इस अवसर पर वैज्ञानिकों ने अकाष्ठ वन उत्पादों के विकास को जरूरी बताते हुए वन उत्पादों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा कर सुझाव साझा किए। इस दौरान मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छग राज्य वन विभागों के आईएफएस और वरिष्ठ अधिकारियों की 21 प्रस्तुतियाँ शामिल की गईं एवं अकाष्ठ वन उत्पादों के क्षेत्र में अपने-अपने संस्थानों द्वारा किए गए कार्य और प्रगति को साझा किया गया। समापन अवसर पर टीएफआईआर निदेशक डॉ. जी राजेश्वर राव ने आयोजन की सफलता के लिए सराहना की। कार्यक्रम का संचालन वैज्ञानिक डॉ. फातिमा शिरीन एवं समूह समन्वय अनुसंधान नीतू सिंह ने आभार व्यक्त किया।

TheHitavada
Jabalpur City Line | 2021-12-16 | Page- 2
ehitavada.com

Regional Research Conference focusing on various aspects of NTFPs concludes at TFRI

■ Staff Reporter

THE two-day Regional Research Conference (RRC) on 'Vocal for Local: Sustainable Development of Non-Timber Forest Products for Livelihood Generation' organised by Tropical Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur concluded with recommendations on various aspects of NTFPs. The conference included a total of 21 presentations of dignitaries including IFS and other senior officials from Madhya Pradesh, Maharashtra and Chhattisgarh State Forest Departments.

Other Government and non-government organisations like National Medicinal Plant Board (NMPB) and Tribal Co-operative Marketing Development Federation of India (TRIFED), New Delhi, Dabur etc. also participated in the event.

Academicians from various institutes like JNKVV, Jabalpur, IGKVV, Raipur, BSSKVV, Dapoli, ICFRE, Dehradun and its allied institutes also participated to present their views and work on Non-Timber Forest Products (NTFPs).

TFRI Officials releasing the broacher of key recommendations and conclusion of the conference.

The conference included discussions and presentations divided in four major areas related to NTFPs- 1) Indian Council of Forestry Research and Education Contribution and Current Scenario of NTFPs in different state 2) Sustainable development of NTFPs and role of different agencies/ Government organisation 3) Research activities on utilisations of NTFPs (Different organisation forestry/agriculture) and 4) NGOs working on NTFPs/ Pharmaceutical Industries /Bamboo/ production.

Dr Neelu Singh, Group Co-ordinator Research, TFRI summarised the key recommendations and conclusion of the conference include Dedicated plantation drives for NTFPs yielding species should be undertaken, establishing proper linkage between financial institutions, researchers, stakeholders and NTFPs traders and Increase awareness on development of entrepreneurship and capacity building of different stakeholders for sustainable utilisation of NTFPs. Dr G Rajeshwar Rao commended the efforts for successful organisation of the conference. He informed that the outcomes and recommendations of the RRC will be shared with the concerned SFDs for implementation. Dr Fatima Shirin, Scientist, TFRI moderated the event and a vote of thanks was extended by Neelu Singh, Group Co-ordinator Research of the institute.

राज एक्सप्रेस | महानगर
बुधवार, 15 दिसंबर 2021
www.rajexpress.co
9
जबलपुर

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में वोकल फॉर लोकल, क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन का समापन

आजीविका सृजन के लिए अकाष्ठ वन उत्पादों का सतत विकास आवश्यक

जबलपुर (आरएनएन)। उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान टीएफआरआई द्वारा आयोजित वोकल फॉर लोकलः आजीविका सृजन के लिए अकाष्ठ वन उत्पादों का सतत विकास पर दो दिवसीय क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन आरआरसी वन उत्पादों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा के उपरांत संपन्न हुआ।

सम्मेलन में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ राज्य वन विभागों के आईएफएस और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों सहित गणमान्य व्यक्तियों की कुल 21 प्रस्तुतियां शामिल थीं। अन्य सरकारी और गैर-सरकारी संगठन जैस राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड, एनएमपीबी और भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ, ट्राइफेड, नईदिल्ली एवं डाबर आदि ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। जवाहरलाल नेहरू कृषि यूनिवर्सिटी, इंदिरा गांधी कृषि यूनिवर्सिटी रायपुर, डॉ. बाला साहेब सावंत कोंकण कृषि विद्यापीठ, दापोली एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद देहरादून और इसके संबद्ध संस्थान के वैज्ञानिक और शिक्षाविद् भी अकाष्ठ वन उत्पादों के क्षेत्र में अपने-अपने संस्थानों द्वारा किए गए कार्य और प्रगति को साझा करने के लिए इस दो दिवसीय सम्मेलन में उपस्थित हुए।

चार प्रमुख सत्र में हुई चर्चा

सम्मेलन में एनटीएफपी से संबंधित चार प्रमुख सत्रों में विभाजित चर्चा और प्रस्तुतियां शामिल थीं। श्रीमती नीलू सिंह, समूह समन्वयक अनुसंधान, टीएफआरआई ने सम्मेलन के मुख्य परिणाम प्रस्तुत किए। एनटीएफपी उपज प्रजातियों के लिए समर्पित वृक्षारोपण अभियान चलाया जाना चाहिए। वित्तीय संस्थानों, शोधकर्ताओं, हितधारकों और एनटीएफपी व्यापारियों के बीच उचित संबंध स्थापित करना। एनटीएफपी के सतत उपयोग के लिए उद्यमिता के विकास और विभिन्न हितधारकों की क्षमता निर्माण के बारे में जागरूकता बढ़ाना आदि शामिल रहे। टीएफआरआई निदेशक डॉ. जी. राजेश्वर राव ने बताया कि आरआरसी के परिणामों को कार्यान्वयन के लिए संबंधित राज्य वन विभागों के साथ साझा किया जाएगा। संचालन वैज्ञानिक डॉ. फातिमा शिरीन एवं आभार प्रदर्शन समूह समन्वयक अनुसंधान नीलू सिंह द्वारा किया गया।